(4)

एम.ए.(हिन्दी) प्रथम वर्ष

सेमेस्टर – 1 पत्र – 1

छायावादी काव्य

पूर्णांक: 40+10 =50

समय: दो घंटे तीस मिनट

दो आलोचनात्मक प्रश्न – 2 x 12 = 24

दो सप्रसंग व्याख्या – 2 x 8 = 16

कुल 40

पाठ्यग्रंथ—

1. जयशंकर प्रसाद – कामायनी (श्रद्धा, इड़ा, आनंद सर्ग)
2. सूर्यकांत त्रिपाठी निराला – रागविराग-संपा. रामविलास शर्मा (राम की शक्तिपूजा, बादल राग, सरोजस्मृति)
3. सुमित्रानंदन पंत – आधुनिक कवि पंत-साहित्य सम्मेलन, प्रयाग (परिवर्तन, नौकाविहार, मौन निमंत्रण)
4. महादेवी वर्मा – दीपशिखा

(i) पंथ होने दो अपरिचित

(ii) सब बुझे दीपक जला लूँ

(iii) अलि मैं कण-कण को जान चली

(iv) यह मंदिर का दीप

(v) जो न प्रिय पहचान पाती

(vi) मोम सा तन घुल चुका

(vii) सब आँखों के आँसू उजले

(viii) मैं पलकों में पाल रही

(ix) पूछता क्यों शेष कितनी रात]

सहायक ग्रंथ—

1. जयशंकर प्रसाद – नंददुलारे वाजपेयी, भारतीभंडार, इलाहाबाद
2. प्रसाद का काव्य – प्रेमशंकर, भरतीभंडार, इलाहाबाद
3. छायावाद – नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
4. कायामनी: एक पुनर्विचार – मुक्तिबोध

एम. ए. (हिन्दी) प्रथम वर्ष
सेमेस्टर – 1
पत्र – 2

नाटक और निबंध

*इस पत्र के अध्ययन के उपरांत छात्र जान सकेंगें – क) हिन्दी के प्रमुख नाटकों एवं निबंधों के मर्म को समझ सेकेंग | ख) हिन्दी के प्रमुख नाटकों एवं निबंध से वर्णित विषय की विशेषताओं को चिन्हित कर सकेंगें | **विशेष -** अध्ययन के उपरांत प्राप्त जानकारी का उपयोग करके वे विविध प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल हो सकेंगें |*

समय : तीन घंटे पूर्णांक : 40 + 10 = 50

दो आलोचनात्मक प्रश्न – 2 x 12 = 24
दो सप्रसंग व्याख्या – 2 x 8 = 16
कुल = 40

पाठ्यविषय : –

1 जयशंकर प्रसाद – चंद्रगुप्त
2 मोहन राकेश – आधे-अधूरे
3 रामचंद्र शुक्ल – चिंतामणि – भाग -1

([i] भाव या मनोविकार [ii] करुणा [iii] लोभ और प्रीति [iv] कविता क्या है [v] लोकमंगल की साधनावस्था [vi] रसात्मकबोध के विविध रूप

4 हजारीप्रसाद द्विवेदी – अशोक के फूल

([i] बसंत आ गया है [ii] अशोक के फुल [iii] भारतीय संस्कृति की देन [iv] भारतवर्ष की सांस्कृतिक समस्या [v] साहित्यकार का दायित्व [vi] मनुष्य ही साहित्य का लक्ष्य है

सहायक ग्रंथ : –

1 हिन्दी नाटक उद्भव और विकास – दशरथ ओझा, राजपाल एंड संस, दिल्ली |
2 हिन्दी नाटक – बच्चन सिंह, |
3 जयशंकर प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन – जगन्नाथ प्रसाद शर्मा |
4 प्रसाद के नाटक – स्वरुप और संरचना – गोविन्द चातक |
5 मोहन राकेश और उनके नाटक – गिरीश रस्तोगी |
6 रामचंद्र शुक्ल – शिवनाथ |

7 शांतिनिकेतन से शिवालिक – संपा. शिवप्रसाद सिंह |
8 रामचंद्र शुक्ल – मलयज, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली |
9 हिन्दी का गद्य साहित्य – रामचंद्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी |
10 रंग-दर्शन – नेमिचंद्र जैन |
11 चिंतामणि मीमांसा – राजमल बोरा |

एम. ए. (हिन्दी) प्रथम वर्ष
सेमेस्टर – 1
पत्र – 3

भाषा – विज्ञान

*इस पत्र के अध्ययन के उपरांत छात्र जान सकेंगें – क) भाषा विज्ञान से सम्बधित महत्वपूर्ण तथ्यों एवं नियमों को जान सकेंगें |ख) भाषा विज्ञान और व्याकरण से सम्बधित महत्वपूर्ण गंभीर विशेषता को जान साकेंगें | **बिशेष-** अध्ययन उपरांत प्राप्त जानकारी का उपयोग कर के बिभिन्न प्रतियोगी परीक्षा में सफल हो सकेंगें |*

समय : तीन घंटे पूर्णांक : 40 + 10 = 50
दो आलोचनात्मक प्रश्न – 2 x 12 = 24
दो लघु उत्तरीय प्रश्न – 2 x 8 = 16
कुल = 40

पाठ्यविषय –

1 भाषा और भाषा विज्ञान – भाषा की परिभाषा और अभिलक्षण, भाषा – व्यवस्था और भाषा व्यवहार, भाषा-संरचना और भाषिक-प्रकार्य | भाषाविज्ञान स्वरुप एवं व्यक्तित्व प्राप्ति अध्ययन की दिशाएँ वर्णनात्मक, ऐतिहासिक और तुलनात्मक |
2 स्वनप्रक्रिया :- स्वन विज्ञान का स्वरुप और शाखाएँ, वागवयव और उनके कार्य अवधारणा और स्वनों का वर्गीकरण, स्वनगुण, स्वनिक परिवर्तन | स्वनिम विज्ञान, स्वरुप, स्वनिम के भेद, की अवधारणा स्वनिमिक विश्लेषण |
3 व्याकरण – रूपप्रक्रिया का स्वरुप और शाखाएँ, रूपिम की अवधारणा और भेद, मुक्त और अर्धदर्शी और संबंध दर्शी, संबंधदर्शी रूपिम के भेद और प्रकार्य | वाक्य की अवधारणा अभिहितान्व्यवाद और अन्व्यिताभिधानवाद, वाक्य के भेद, वाक्य विश्लेषण, निकटतम अवयव विश्लेषण, गहन-संरचना और वाह्य-संरचना |
4 अर्थविज्ञान – अर्थ की अवधारणा, शब्द और अर्थ का संबंध, पर्यायता, अनेकार्थक विलोमता, अर्थ परिवर्तन |

सहायक ग्रंथ –

1 सामान्य भाषा विज्ञान – बाबूराम सक्सेना, हिन्दी साहित्य सम्मलेन |
2 भाषा विज्ञान की भूमिका – देवेन्द्रनाथ शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली |
3 भाषा विज्ञान – भोलानाथ तिवारी, किताब महल, इलाहाबाद |
4 भाषा – ब्लूमफिल्ड, मोतीलाल बनारसी दास, दिल्ली |
5 अनुप्रयुक्त भाषा विज्ञान – सिद्धांत और व्यवहार – रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, केंद्रीय हिन्दी संसथान, आगरा |
6 भाषा विज्ञान रसायन – कैलाशनाथ पाण्डेय |

एम. ए. (हिन्दी) प्रथम वर्ष

सेमेस्टर – 1 पत्र – 4

हिन्दी साहित्य का इतिहास (आरंभ से रीतिकाल तक)

इस पत्र के अध्ययन के उपरांत छात्र जान सकेंगें –क) छात्र हिन्दी साहित्य के तीन महत्वपूर्ण कालखंडों, साहित्यिक उपलब्धियों से परिचित हो सकेंगें | ख) छात्र हिन्दी साहित्य से सम्बधित तीन कालखंडों की साहित्यिक प्रवृतियों से परिचित हो सकेंगें | ***बिशेष-*** *अध्ययन के उपरांत छात्र विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल हो सकेंगें |*

समय : तीन घंटे पूर्णांक : 40 + 10 = 50

दो आलोचनात्मक प्रश्न – 2 x 12 = 24

दो लघु उत्तरीय प्रश्न – 2 x 8 = 16

कुल = 40

पाठ्यविषय –

1 इतिहास – दर्शन और साहित्येतिहास |
2 हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परंपरा, आधारभूत सामग्री और साहित्येतिहास के पुर्नलेखन की समस्याएँ |
3 हिन्दी साहित्य का इतिहास – काल विभाजन, सीमानिर्धारण और नामकरण |
4 हिन्दी साहित्य – आदिकाल की पृष्ठभूमि सिद्ध और नाथ – साहित्य रासो – काव्य, जैन – साहित्य |
5 हिन्दी साहित्य के आदिकाल का ऐतिहासिक परिध्श्य, साहित्य प्रवृतियाँ, काव्यधाराएँ, गद्य, साहित्य, प्रतिनिधि रचनाकार और उनकी रचनाएँ |
6 पूर्व मध्यकाल (भक्तिकाल) ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, सांस्कृतिक चेतना एवं भक्ति-आन्दोलन, विभिन्न काव्य धाराएँ तथा उनका अवदान |
7 प्रमुख निर्गुण संत कवि और उनका अवदान |

8 भारत में सूफी मत का विकास तथा प्रमुख सूफी कवि और काव्यग्रंथ, सूफी काव्य में भारतीय संस्कृति एवं लोकजीवन के तत्व |

9 राम और कृष्ण काव्य, रामकृष्ण काव्येतर काव्य, प्रमुख कवि और उनका रचनागत वैशिष्ट्य | भक्तिकालीन गद्य साहित्य |

10 उत्तरमध्यकाल (रीतिकाल) की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, काल-सीमा और नामकरण, दरबारी संस्कृति और लक्षण-ग्रंथों की परंपरा, रीतिकालीन साहित्य की विभिन्न धाराएँ (रीतिबद्ध, रीति सिद्ध और रीतिमुक्त) प्रवृतियाँ और विशेषताएँ, प्रतिनिधि रचनाकर और रचनाएँ | रीतिकालीन गद्य साहित्य |

सहायक ग्रंथ –

1 साहित्य का इतिहास – दर्शन, नलिनविलोचन शर्मा, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद् , पटना |

2 साहित्य और इतिहास दृष्टि – मैनेजर पाण्डेय |

3 हिन्दी साहित्य के इतिहासों का इतिहास – किशोरीलाल गुप्त, विभु प्रकाशन, साहिबाबाद |

4 हिन्दी साहित्य का इतिहास – रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा |

5 हिन्दी साहित्य की भूमिका – हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली |

6 हिन्दी साहित्य का अतीत (भाग -1) – विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणीवितान, वाराणसी |

7 हिन्दी साहित्य का इतिहास – संपा नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली |

8 हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास – बच्चन सिंह, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली |

9 हिन्दी साहित्य का आधा इतिहास – सुमनराजे, भारतीय ज्ञानपीठ |

10 हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास – डॉ. गणपति चंद्रगुप्त |

11 साहित्य इतिहास दर्शन की दृष्टि से हिन्दी साहित्य की विकास-प्रक्रिया का अध्ययन, हरीशचंद्र मिश्र, भाषा संसथान, इलाहाबाद |

एम. ए. (हिन्दी) प्रथम वर्ष

सेमेस्टर – 2 पत्र – 5

छायावादोत्तर काव्य

इस पत्र के अध्ययन के उपरांत छात्र जान सकेंगें – क) छात्र छायावादोत्तर कालखंड के चार महत्वपूर्ण कवियों की कविताओं और उनकी विशेषताओं से परिचित हो सकेंगें | ***विशेष-*** *अध्ययन के उपरांत प्राप्त जज्कारी का उपयोग का छात्र विभिन्न प्रकार की प्रतियोगी परीक्षा में सफल हो सकेंगें |*

समय : तीन घंटे पूर्णांक : 40 + 10 = 50

दो आलोचनात्मक प्रश्न – 2 x 12 = 24

दो सप्रसंग व्याख्या – 2 x 8 =16

कुल = 40

पाठ्यविषय –

1 अज्ञेय : अज्ञेय की प्रतिनिधि कविताएँ – सं. विद्यानिवास मिश्र (नदी के द्वीप, असाध्य वीणा, बावरा अहेरी)

2 मुक्तिबोध : प्रतिनिधि कविताएँ, मुक्तिबोध, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली (अँधेरे में, ब्रह्मराक्षस)

3 रामधारी सिंह दिनकर : उर्वशी (तृतीय अंक), उद्याचल, पटना |

4 शमशेर बहादुर सिंह : प्रतिनिधि कविताएँ (बात बोलेगी, चुका भी हूँ मैं नहीं, राग, सावन, काल तुझसे होड़ है मेरी) |

सहायक ग्रंथ –

1 नयी कविता और अस्तित्ववाद – रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली |

2 कविता के नये प्रतिमान – नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली |

3 अज्ञेय और आधुनिक रचना की समस्याएँ – रामस्वरूप चतुर्वेदी |

4 अज्ञेय की कविता : एक मूल्यांकन – चन्द्रकान्त बांदिवड़ेकर, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा |

5 निराला और मुक्तिबोध – नन्दकिशोर नवल, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली |

6 मुक्तिबोध : ज्ञान और संवेदना – नन्दकिशोर नवल, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली |

7 उर्वशी : उपलब्धि और सीमा – विजेन्द्र नारायण सिंह |

8 उर्वशी : विचार और विश्लेषण – सं. वचनदेव कुमार |

9 कुछ पूर्वग्रह : अशोक वाजपेयी |

एम. ए. (हिन्दी) प्रथम वर्ष

सेमेस्टर – 2 पत्र – 6

कथासाहित्य

*इस पत्र के अध्ययन के उपरांत छात्र जान सकेंगें – क) हिन्दी कथासाहित्य के महत्वपूर्ण कथाकारों और उनके कथा साहित्य को जान सकेंगें |ख) कथा साहित्य के मर्म को समझते हुए उनकी विशेषता को चिन्हित कर सकेंगें | **विशेष** -अध्ययन के उपरांत प्राप्त जानकारी का उपयोग कर वे विभिन्न प्रतियोगी परीक्षा में सफल हो सकेंगें |*

समय : तीन घंटे पूर्णांक : 40 + 10 = 50

दो आलोचनात्मक प्रश्न – 2 x 12 = 24

दो सप्रसंग व्याख्या – 2 x 8 = 16

कुल = 40

पाठ्य विषय –

1	प्रेमचंद	:	गोदान
2	हजारीप्रसाद द्विवेदी	:	बाणभट् ट की आत्मकथा
3	अज्ञेय	:	शेखर एक जीवनी
4	फणीशरनाथ रेणु	:	मैला आँचल
5	भीष्म साहनी (सं.)	:	हिन्दी कहानी संग्रह (साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली) (कहानियों से व्याख्या नहीं पूछी जाएगी)

[i]	निर्मल वर्मा	:	परिन्दे
[ii]	कमलेश्वर	:	खोयी हुइ दिशाएँ
[iii]	राजेन्द्र यादव	:	जहाँ लक्ष्मी कैद है
[iv]	मन्नू भंडारी	:	त्रिशंकु
[v]	ज्ञानरंजन	:	घंटा
[vi]	मार्कंडेय	:	हंसा जाई अकेला
[vii]	कृष्णा सोबती	:	बादलों के घेरे
[viii]	उषा प्रियंवदा	:	वापसी
[ix]	भीष्म साहनी	:	वाड्चु
[x]	काशीनाथ सिंह	:	अपना रास्ता लो बाबा

सहायक ग्रंथ –

1. हिन्दी उपन्यास – शिवनारायण श्रीवास्तव, सरस्वती मंदिर, वाराणसी |
2. हिन्दी उपन्यास का इतिहास – गोपाल राय |
3. प्रेमचंद और उनका युग – रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली |
4. प्रेमचंद : एक विवेचन – इन्द्रनाथ मदान |
5. उपन्यासकार हजारीप्रसाद द्विवेदी – त्रिभुवन सिंह |
6. अज्ञेय का कथासाहित्य – ओमप्रभाकर |

7 अधूरे साक्षात्कार – नेमिचंद्र जैन |
8 हिन्दी के आंचलिक उपन्यासों में जीवन सत्य – इन्द्रप्रकाश पाण्डेय, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली |
9 आंचलिक उपन्यास – जवाहर सिंह |
10 कहानी : नयी कहानी – नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली |
11 आज की हिन्दी कहानी – विजयमोहन सिंह |
12 अज्ञेय और उनके उपन्यास – गोपाल राय, अनुपम प्रकाशन, पटना |
13 गोदान का मूल्यांकन – सत्यप्रकाश मिश्र, नई कहानी प्रकाशन, इलाहाबाद |
14 शेखर : एक जीवनी : विविध आयाम – सं. रामकमल राय, अभिव्यक्ति प्रकाशन, इलाहाबाद |
15 मैला आंचल का महत्व – मधुरेश, सुमित प्रकाशन, इलाहाबाद |

एम. ए. (हिन्दी) प्रथम वर्ष
सेमेस्टर – 2 पत्र – 7

हिन्दी भाषा और प्रयोजनमूलक हिन्दी

इस पत्र के अध्ययन के उपरांत छात्र जान सकेंगें – क) हिन्दी भाषा के विभिन्न रूप को गंभीरता से जान सकेंगें |ख) हिन्दी के प्रयोजनपरक रूप को जान सकेंगें | ***विशेष-*** *अध्ययन के उपरांत प्राप्त जानकारी का उपयोग कर छात्र विभिन्न प्रकार की प्रतियोगी परीक्षा में सफल हो सकेंगें |*

समय : तीन घंटे पूर्णांक : 40 + 10 = 50

दो दीर्घउत्तरीय प्रश्न – 2 x 12 = 24
दो लघु उत्तरीय प्रश्न – 2 x 8 = 16
कुल = 40

पाठ्यविषय –

1 हिन्दी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि :– प्राचीन भारतीय आर्य भाषाएँ – वैदिक तथा लौकिक संस्कृत और उनकी विशेषताएँ | मध्यकालीन भारतीय आर्य भाषाएँ – पालि, प्राकृत, शौरसेनी, अर्धमागधी, अपभ्रंश और उनकी विशेषताएँ | आधुनिक भारतीय आर्य भाषाएँ और उनका वर्णीकरण |
2 हिन्दी का भौगोलिक विस्तार :– हिन्दी की उपभाषाएँ, पश्चिमी हिन्दी, पूर्वी हिन्दी, राजस्थानी, बिहारी तथा पहाड़ी हिन्दी और उनकी बोलियाँ | खड़ी बोली, ब्रज और अवधी की विशेषताएँ |
3 हिन्दी का भाषिक स्वरुप :– हिन्दी की स्वनिम व्यवस्था, खंड्य, खंड्येतर, | हिन्दी शब्द रचना – उपसर्ग प्रत्यय, समास | रूपरचना – लिंग,वचन और कारक-व्यवस्था के संदर्भ हिन्दी के संज्ञा, सर्वनाम विशेषण और क्रियारूप | हिन्दी वाक्य – रचना : पदकन और अन्विति |
4 हिन्दी के विविध रूप :– संपर्क – भाषा, राष्ट्रभाषा, राजभाषा के रूप में हिन्दी, माध्यम संचार भाषा, हिन्दी की सांविधानिक स्थिति |

5 हिन्दी में कम्प्यूटर सुविधाएँ – आंकड़ा, संसाधन और शब्द-संसाधन, वर्तनी-शोधक, मशीनी अनुवाद, हिन्दी भाषा शिक्षण |

सहायक ग्रंथ –

1 भारतीय आर्यभाषा और हिन्दी – सुनीति कुमार चटर्जी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली |
2 हिन्दी भाषा का इतिहास – धीरेन्द्र वर्मा, हिन्दुस्तानी एकेडमी, प्रयाग |
3 हिन्दी भाषा का उद् गम और विकास – उदय नारायण तिवारी, भारती भंडार, प्रयाग |
4 हिन्दी भाषा – हरदेव बाहरी, अभिव्यक्ति प्रकाशन, इलाहाबाद |
5 राजभाषा हिन्दी : विकास के विविध आयाम – मल्लिक मुहम्मद |
6 प्रयोजनमूलक हिन्दी – रघुनन्दन प्रसाद शर्मा, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी |

एम. ए. (हिन्दी) प्रथम वर्ष

सेमेस्टर – 2

पत्र – 8

हिन्दी साहित्य का इतिहास (भारतेन्दुयुग से वर्तमानकाल तक)

इस पत्र के अध्ययन के उपरांत छात्र जान सकेंगें – क) हिन्दी साहित्य के आधुनिककाल की विशेषता को जान सकेंगें | ख) आधुनिककालीन सभी विधाओं का इतिहास जान सकेंगें | विशेष- अध्ययन के उपरांत प्राप्त ज्ञान का उपयोग वे विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं सफलता प्राप्त करने में करेंगें |

समय : तीन घंटे पूर्णांक : 40 + 10 = 50

दो दीर्घउत्तरीय प्रश्न – 2 x 12 = 24

दो लघुत्तरिय प्रश्न – 2 x 8 = 16

कुल = 40

पाठ्यविषय –

1 आधुनिक काल की सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, सन् 1857 की राजक्रांति और पुनर्जागरण |
2 भारतेन्दु युग – प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ |
3 द्विवेदी युग – प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ |
4 हिन्दी स्वच्छंदतावादी चेतना का अग्रिम विकास – छायावादी काव्य : प्रमुख साहित्यकार रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ |
5 उत्तरछायावादी काव्य की विविध प्रवृतियाँ – प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नयी कविता, नवगीत, समकालीन कविता |

प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ |

6 हिन्दी गद्य की प्रमुख विधाओं (कहानी, उपन्यास, नाटक, निबन्ध, संस्मरण, रेखाचित्र, जीवनी, आत्मकथा, रिपोर्ताज आदि) का विकास |

7 हिन्दी आलोचना का उद्भव और विकास |

8 दक्खिनी हिन्दी साहित्य का संक्षिप्त परिचय |

9 उर्दू साहित्य का संक्षिप्त परिचय |

10 हिन्दीतर क्षेत्रों तथा देशान्तर में हिन्दी भाषा और साहित्य |

सहायक ग्रंथ –

1 हिन्दी साहित्य का इतिहास – रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी |

2 हिन्दी साहित्य उद्भव और विकास – हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली |

3 हिन्दी साहित्य का इतिहास – संपा. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली |

4 आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास – बच्चन सिंह |

5 हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास – बच्चन सिंह, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली |

6 हिन्दी साहित्य का आधा इतिहास – सुमन राजे |

7 हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी, इलाहाबाद |

8 आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास – लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय |

9 लोकजागरण और हिन्दी साहित्य – रामविलास शर्मा |

10 महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिन्दी नवजागरण – रामविलास शर्मा |

11 भारतेन्दु हरिश्चन्द्र और हिन्दी नवजागरण की समस्याएँ – रामविलास शर्मा |

एम. ए. (हिन्दी) द्वितीय वर्ष

सेमेस्टर – 3 पत्र – 9

आदिकालीन काव्य

इस पत्र के अध्ययन के उपरांत छात्र जान सकेंगें – क) आदिकालीन काव्य की महत्वपूर्ण विशेषताओं को जान सकेंगें | ख) आदिकालीन काव्य प्रवृतियों से परिचित होंगें | विशेष- अध्ययन के उपरांत प्राप्त जानकारी का उपयोग कर छात्र विभिन्न प्रतियोगी परीक्षा में सफल हो सकेंगें |

समय : तीन घंटे पूर्णांक : 40 +10 = 50

दो दीर्घउत्तरीय प्रश्न – 2 x 12 = 24

दो व्याख्या प्रश्न – 2 x 8 = 16

कुल = 40

पाठ्यविषय –

1 सिद्ध साहित्य : हिन्दी काव्यधारा – राहुल सांकृत्यायन (सरहपा दोहा 1 से 9 तक) |

2 नाथ साहित्य : गोरखबानी – संपा. पीताम्बरदत्त बड़थ्वाल (पद 1 से 20 तक) |

3 रासो साहित्य : पृथ्वीराज रासो – संपा. माताप्रसाद गुप्त (कयमास वध और संयोगिता परिचय प्रसंग) |

4 विद्यापति : मैथिल कोकिल विद्यापति – सं. ब्रजनंदन सहाय, नागरी प्रचारिणी सभा | (वसंत-वर्षण पद 1 से 10 तक, विरह और प्रबोध 1 से 10 तक) |

सहायक ग्रंथ –

1 अपभ्रंश साहित्य – हरिवंश कोछड़

2 सिद्ध साहित्य – धर्मवीर भारती

3 बजयानी सिद्ध सरहपाद – द्विजराम यादव

4 नाथ संप्रदाय – हजारीप्रसाद द्विवेदी

5 गोरखनाथ और उनका युग – रांगेय राघव

6 गोरखनाथ – नागेन्द्रनाथ उपाध्याय

7 विद्यापति – आनंद प्रकाश दीक्षित, साहित्य प्रकाशन मंदिर, ग्वालियर

8 चंदवरदायी और उसका काव्य – विपिनविहारी त्रिवेदी

9 चंदवरदायी – शांता सिंह, साहित्य अकादेमी, दिल्ली

10 रासो साहित्य विमर्श – माताप्रसाद गुप्त, साहित्यभवन, इलाहाबाद

11 आदिकालीन हिन्दी साहित्य – शम्भुनाथ पाण्डेय, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

12 विद्यापति – शिवप्रसाद सिंह, लोकभारती, इलाहाबाद

एम. ए. (हिन्दी) द्वितीय वर्ष

सेमेस्टर – 3

पत्र – 10

भक्तिकाव्य

इस पत्र के अध्ययन के उपरांत छात्र जान सकेंगें – क) हिन्दी साहित्य के सर्वोधिक चर्चित कालखंड के काल का आस्वादन कर सकेंगें |ख) भक्तिकालीन काल के महत्व और उनकी विशेषता से परिचित हो सकेंगें | ***विशेष-*** *अध्ययन के उपरांत प्राप्त ज्ञान का उपयोग वे विभिन्न प्रतियोगी परीक्षा में कर सकेंगें |*

समय : तीन घंटे पूर्णांक : 40 +10 = 50

दो आलोचनात्मक प्रश्न – 2 x 12 = 24

दो सप्रसंग व्याख्या – 2 x 8 = 16

कुल = 40

पाठ्यग्रंथ –

1 कबीरदास : कबीर ग्रंथावली, संपा. श्यामसुंदर दास (आरंभ से 25 पद)

2 जायसी पद्मावत – सं. वासुदेव शरण अग्रवाल, साहित्यसदन, चिरगाँव (नखशिख खंड दोहा 99 से 118 तक, नागमती वियोग खंड दोहा 341 से 359 तक)

3 सूरदास : भ्रमरगीतसार, संपा. रामचंद्र शुक्ल, लोकभारती, इलाहाबाद (आरंभ के 50 पद)

4 तुलसीदास : रामचरितमानस, गीताप्रेस, गोरखपुर, (केवल उत्तर कांड)

सहायक ग्रंथ –

1 कबीर – हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली |

2 कबीर साहित्य की परख – परशुराम चतुर्वेदी |

3 कबीर – सं. विजयेन्द्र स्नातक, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली |

4 सूफीमत : साधना और साहित्य – रामपूजन तिवारी, ज्ञानमंडल, वाराणसी |

5 जायसी – रामपूजन तिवारी, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली |

6 जायसी – विजयदेवनारायण साही, हिन्दुस्तानी एकेडमी इलाहाबाद |

7 सूरदास – रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी |

8 सूरसाहित्य – हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली |

9 सूरदास – ब्रजेश्वर वर्मा

10 भक्ति आंदोलन और सूरदास का काव्य – मैनेजर पाण्डेय, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली \

11 तुलसीदास और उनका युग – राजपति दीक्षित, ज्ञानमंडल, वाराणसी |

12 तुलसीदास – माताप्रसाद गुप्त, हिन्दी परिषद, पटना |

13 मानस – दर्शन – श्री कृष्ण लाल, आनंद पुस्तक भवन, काशी |

14 लोकवादी तुलसी – विश्वनाथ त्रिपाठी, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली |

15 गोस्वामी तुलसीदास – रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी |
16 मल्लिक मुहम्मद जायसी और उनका काव्य – शिवसहाय पाठक, साहित्य भवन, इलाहाबाद |
17 भक्तिकाव्य यात्रा – रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती, इलाहाबाद |
18 तुलसी की साहित्य साधना – लल्लन राय |

एम. ए. (हिन्दी) द्वितीय वर्ष
सेमेस्टर – 3 पत्र – 11

रीतिकाव्य

इस पत्र के अध्ययन के उपरांत छात्र जान सकेंगें –क) हिन्दी साहित्य के एक विशेषकाल खंड रीतिकाल के महत्वपूर्ण कवियों की काव्यगत विशेषता से परिचित हो सकेंगें | ***विशेष-*** *अध्ययन के उपरांत प्राप्त ज्ञान के आधार पर छात्र विभिन्न प्रतियोगी परीक्षा में सफल हो सकेंगें |*

समय : तीन घंटे पूर्णांक : 40 +10 = 50
दो आलोचनात्मक प्रश्न – 2 x 12 = 24
दो सप्रसंग व्याख्या – 2 x 8 = 16
कुल = 40

पाठ्यविषय –

1 केशवदास : रामचंद्रिका, केशव ग्रंथावली खंड – 2, सं. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र (आरंभ से पाँचवे प्रकाश तक)
2 बिहारी : बिहारी रत्नाकर – संपा. जगन्नाथदास रत्नाकर (प्रथम सौ दोहे) |
3 देव : देव की दीपशिखा – संपा. विद्यानिवास मिश्र, (आरंभिक 50 सवैये) |
4 घनानन्द : घनानन्द कवित्त, संपा. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, (आरंभ से 25 छंद) |

सहायक ग्रंथ –

1 रीतिकाव्य की भूमिका – नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली |
2 केशव का आचार्यत्व – विजयपाल सिंह, राजपाल एंड संस, दिल्ली |
3 स्वच्छन्द काव्यधारा और घनानन्द – मनोहर लाल गोड
4 बिहारी का नया मूल्यांकन – बच्चन सिंह,
5 केशव की काव्यकला – कृष्णशंकर शुक्ल,

6 हिन्दी साहित्य का उत्तर मध्यकाल रीतिकाल – महेन्द्र कुमार, आर्य बुक डिपो, दिल्ली |
7 आचार्य केशवदास – हीरालाल दीक्षित, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ |
8 देव और उनका काव्य – नगेन्द्र |
9 शृंगारकाल का पुर्नमूल्यांकन – रमेश कुमार शर्मा, आर्य बुक डिपो, दिल्ली |

एम. ए. (हिन्दी) द्वितीय वर्ष
सेमेस्टर – 3 पत्र – 12

भारतीय साहित्य

इस पत्र के अध्ययन के उपरांत छात्र जान सकेंगें – क) छात्र भारतीय साहित्य की व्यापकता को समझ पाएँगे | ख) छात्र भारतीय साहित्य में भिन्न – भिन्न भाषा से सम्बंधित साहित्य की विशेषता से परिचित हो पाएँगे | ***विशेष-*** *अध्ययन के उपरांत प्राप्त जानकारी का उपयोग कर छात्र विभिन्न प्रतियोगली परीक्षा में सफल हो सकेंगें |*

समय : तीन घंटे पूर्णांक : 40 +10 = 50
दो दीर्घउत्तरीय प्रश्न – 2 x 12 = 24
दो लघुत्तरिय प्रश्न – 2 x 8 = 16
कुल = 40

पाठ्यविषय –

1 भारतीय साहित्य : स्वरुप और विशेषताएँ
2 वेद, उपनिषद् , रामायण, महाभारत, और पुराणों का सामान्य परिचय और भारतीय साहित्य पर उनका प्रभाव |
3 संस्कृत साहित्य – कालिदास : काव्य और नाटक |
4 बांग्ला साहित्य – रवीन्द्रनाथ : काव्य और कहानी |
5 उर्दू साहित्य – नजीर अकबरावादी : काव्य |
6 तमिल साहित्य – सुभ्रमन्यम भारती : काव्य |

सहायक ग्रन्थ –

1 भारतीय साहित्य – नगेन्द्र, साहित्य सदन, चिरगाँव, झाँसी |
2 भारतीय साहित्य की भूमिका – रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली |
3 संस्कृत साहित्य का इतिहास – बलदेव उपाध्याय, शारदा मंदिर, वाराणसी |

4 संस्कृत कवि दर्शन – भोलाशंकर व्यास, चौखंबा वाराणसी |
5 रवीन्द्र – साहित्य की समीक्षा – शिवनाथ |
6 बांग्ला साहित्य का इतिहास – सुकुमार सेन |
7 तमिल साहित्य – दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा, मद्रास |
8 सुब्रह्मण्य भारती : संकलित कविताएँ एवं गद्य |
9 उर्दू साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास – एहतेशाम हुसैन |
10 रवीन्द्रनाथ की कविताएँ – साहित्य अकादेमी, दिल्ली |
11 गीतांजलि (अनुवाद) – प्रयाग शुक्ल, बागदेवी प्रकाशन, विकानेर |

एम. ए. (हिन्दी) द्वितीय वर्ष
सेमेस्टर – 4 पत्र – 13

भारतीय काव्यशास्त्र

इस पत्र के अध्ययन के उपरांत छात्र जान सकेंगें –क) भारतीय काव्यशास्त्र से परिचित हो सकेंगें |ख) भारतीय काव्यशास्त्र के प्रमुख सिद्धान्तों एवं स्थाप्नाओं को जान सकेंगें | ***विशेष-*** *अध्ययन के उपरांत प्राप्त जानकारी का उपयोग कर छात्र विभिन्न प्रकार की प्रतियोगी परीक्षा में सफल हो सकेंगें |*

समय : तीन घंटे पूर्णांक : 40 +10 = 50
दो दिर्घुउत्तरीय प्रश्न – 2 x 12 = 24
दो लघुत्तरिय प्रश्न – 2 x 8 = 16
कुल = 40

पाठ्यविषय –

1 संस्कृत काव्यशास्त्र – काव्य – लक्षण, काव्य – हेतु, काव्य – प्रयोजन, काव्य के प्रकार |
2 रस – सिद्धांत, रस का स्वरुप, रस – निष्पति, रस के अंग, साधारणीकरण, सहृदय की अवधारणा |
3 अलंकार – सिद्धांत – मूल स्थापनाएँ, अलंकारों का वर्गीकरण |
4 रीति – सिद्धांत – रीति की अवधारणा, काव्य – गुण, रीति एवं शैली, रीति सिद्धांत की प्रमुख स्थापनाएँ |
5 वकोक्ति सिद्धांत – वक्रोक्ति की अवधारणा, वकोक्ति के भेद, वकोक्ति एवं अभिव्यन्जनावाद |
6 ध्वनि – सिद्धांत – ध्वनि का स्वरुप, ध्वनि – सिद्धांत की प्रमुख स्थापनाएँ, ध्वनि के प्रमुख भेद, गुणीभूत व्यंग्य – चित्र – काव्य |
7 औचित्य – सिद्धांत – प्रमुख स्थापनाएँ, औचित्य के भेद |
8 रीतिकालीन कवियों का काव्यचिंतन |

सहायक ग्रंथ –

1 भारतीय साहित्यशास्त्र – बलदेव उपाध्याय |
2 संस्कृत आलोचना – बलदेव उपाध्याय |
3 काव्यशास्त्र – भगीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी |
4 भारतीय काव्यशास्त्र के नए क्षितिज – राममूर्ति त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली |
5 संस्कृत काव्यशास्त्र का इतिहास – पी. व्ही. काणे, मोतीलाल बनारसी दास, दिल्ली |

एम. ए. (हिन्दी) द्वितीय वर्ष

सेमेस्टर – 4

पत्र – 14

पाश्चात्य काव्यशास्त्र

इस पत्र के अध्ययन के उपरांत छात्र जान सकेंगें – क) पाश्चात्य काव्यशास्त्र से सम्बन्धित प्रमुख सिद्धांतों और विचारों को जान सकेंगें | ख) पाश्चात्य काव्यशास्त्र की गंभीर विशेषताओं से परिचित हो सकेंगें | ***विशेष-*** *अध्ययन के उपरांत प्राप्त ज्ञान का उपयोग करते हुए विभिन्न प्रतियोगी परीक्षा में सफल हो सकेंगें |*

समय : तीन घंटे पूर्णांक : 40 +10 = 50

दो दीर्घउत्तरीय प्रश्न – 2 x 12 = 24

दो लघुत्तरिय प्रश्न – 2 x 8 = 16

कुल = 40

पाठ्य विषय –

पाश्चात्य काव्यशास्त्र

1 प्लेटो : काव्य – सिद्धांत |

2 अरस्तू – अनुकरण सिद्धांत – त्रासदी – विरेचन |

3 लोजाईनस – उदात की अवधारण |

4 ड्राइडन के काव्य – सिद्धांत |

5 वड़र्सवर्थ : काव्य – भाषा का सिद्धांत |

6 कॉलरिज – कल्पना सिद्धांत और ललित कल्पना |

7 मैथ्यू आर्नल्ड – आलोचना का स्वरुप और प्रकार्य |

8 टी. एस. इलियट् – परंपरा की परिकल्पना और वैयक्तिक प्रज्ञा, निर्वैयक्तिता का सिद्धांत, वस्तुनिष्ठ समीकरण, संवेदनशीलता का असाहचर्य |

9 आइ. ए. रिचर्ड्स – रागात्मक अर्थ, संवेगों, का संतुलन, व्यवहारिक आलोचना |

10 सिद्धांत और वाद – आभिजात्यवाद, स्वच्छंदतावाद, अभिव्यंजनावाद, मार्क्सवाद, मनोविश्लेषण तथा अस्तित्ववाद |

11 आधुनिक समीक्षा की विशिष्ट प्रवृतियाँ – संरचनावाद, शैलीविज्ञान, विखंडनवाद, उत्तर – आधुनिकतावाद |

सहायक ग्रंथ –

1 पाश्चात्य समीक्षा दर्शन – जगदीशचंद्र जैन, हिन्दी प्रचारक संस्थान, वाराणसी |

2 पाश्चात्य काव्यशास्त्र – देवेन्द्रनाथ शर्मा, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली |

3 पाश्चात्य काव्यशास्त्र – तारकनाथ बाली |

4 पाश्चात्य साहित्य चिंतन – निर्मला जैन, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली |

5 आलोचक और आलोचना – बच्चन सिंह, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली |

एम. ए. (हिन्दी) द्वितीय वर्ष

सेमेस्टर – 4 पत्र – 15

हिन्दी आलोचना

इस पत्र के अध्ययन के उपरांत छात्र जान सकेंगें –क) हिन्दी आलोचना के प्रकार से परिचित हो सकेंगें | ख) हिन्दी के विभिन्न महत्वपूर्ण आलोचकों की आलोचना दृष्टि को जान सकेंगें | ***विशेष-*** *अध्ययन के उपरांत प्राप्त जानकारी का उपयोग कर छात्र विभिन्न प्रकार की परीक्षाओं में सफल हो सकेंगें |*

समय : तीन घंटे पूर्णांक : 40 +10 = 50

दो दीर्घउत्तरीय प्रश्न – 2 x 12 = 24

दो लघु उत्तरीय प्रश्न – 2 x 8 = 16

कुल = 40

पाठ्यविषय –

1 शुक्लयुगीन आलोचना : महावीर प्रसाद द्विवेदी, रामचंद्र शुक्ल, विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, गुलाब राय |

2 छायावादी कवियों की आलोचना : प्रसाद, निराला, पन्त और महादेवी |

3 शुक्लोत्तर आलोचना : हजारी प्रसाद द्विवेदी, नन्ददुलारे वाजपेयी, नगेन्द्र, नलिन विलोचन शर्मा, देवीशंकर अवस्थी, विजयदेव नारायण साही, रामचंद्र तिवारी, रामस्वरूप चतुर्वेदी |

4 प्रगतिवादी आलोचना : शिवदान सिंह, चौहान, प्रकाशचंद्र गुप्त, मुक्तिबोध, रामविलास शर्मा, नामवर सिंह, शिवकुमार मिश्र, मैनेजर पाण्डेय, नन्दकिशोर नवल |

5 दलित विमर्श और स्त्री – विमर्श |

सहायक ग्रंथ –

1 हिन्दी आलोचक : शिखरों का साक्षात्कार – रामचंद्र तिवारी, लोकभारती, इलाहावाद |

2 हिन्दी आलोचना – विश्वनाथ त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली |

3 हिन्दी आलोचना का विकास – नन्दकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली |

4 समकालीन हिन्दी आलोचना – परमानन्दं श्रीवास्तव, साहित्य अकादेमी, दिल्ली |

5 आलोचक और आलोचना – बच्चन सिंह, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली |

6 रामचंद्र शुक्ल और हिन्दी आलोचना – रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली |

7 दूसरी परंपरा की खोज – नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली |

8 रीतिकाल के कवियों की मौलिक देन – किशोरी लाल |

9 कवि शिक्षा की परंपरा और हिन्दी रीति साहित्य – सत्यप्रकाश मिश्र |

10 दलित साहित्य की अवधारणा – कँवल भारती, बोधिस्त्व प्रकाशन, रामपुर |

11 दलित साहित्य : एक मूल्यांकन – चमनलाल, राजपाल एंड संस, दिल्ली |

दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र – ओमप्रकाश बाल्मीकि, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली |

एम. ए. (हिन्दी) द्वितीय वर्ष
सेमेस्टर – 4 पत्र – 16 (वैकल्पिक)

तुलसीदास

इस पत्र के अध्ययन के उपरांत छात्र जान सकेंगें –क) भक्तिकाल के सर्वोधिक चर्चित कवि तुलसीदास की भक्ति -भावना, काव्य विशेषता को विस्तार से जान सकेंगें | ***विशेष-*** *अध्ययन के उपरांत प्राप्त जानकारी का उपयोग कर छात्र विभिन्न प्रकार की प्रतियोगी परीक्षा में सफल हो सकेंगें |*

समय : तीन घंटे पूर्णांक : 40 +10 = 50

दो दीर्घउत्तरीय प्रश्न – 2 x 12 = 24

दो व्याख्या – 2 x 8 = 16

कुल = 40

पाठ्य विषय –

1. रामचरितमानस (अयोध्याकाण्ड सम्पूर्ण) – गीताप्रेस, गोरखपुर |
2. विनय पत्रिका (पद – [1,9,19,21,30,32,41,45,48,65,66,68,72,73,78,79,91,105,107,111,114,] गीताप्रेस, गोरखपुर |
3. कवितावली (उत्तरकांड संपूर्ण) – गीताप्रेस, गोरखपुर |
4. गीतावली (बालकांड – 5,7,18,23,29,35,47,57,76,106.) गीताप्रेस, गोरखपुर |

सहायक ग्रंथ –

1. गोस्वामी तुलसीदास – रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी |
2. तुलसीदास – माताप्रसाद गुप्त |
3. रामकथा : उत्पति और विकास – फादर कामिल बुल्के, हिन्दी परिषद् प्रयाग |
4. तुलसीदास और उनका युग – राजपति दीक्षित |
5. तुलसीदास – भगीरथ मिश्र |
6. मानस दर्शन – श्रीकृष्ण लाल, आनंद पुस्तक भवन, काशी |
7. मानस की रुसी भूमिका (हिन्दी अनुवाद) – वारालिकोन, विद्यामंदिर, लखनऊ |
8. तुलसीदास – ग्रियर्सन, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली |
9. तुलसी आधुनिक वातायन से – रमेश कुंतल मेघ |
   तुलसीदास – संपा. वासुदेव सिंह, अभिव्यक्ति प्रकाशन, इलाहाबाद |

एम. ए. (हिन्दी) द्वितीय वर्ष

सेमेस्टर – 4

पत्र – 16 (वैकल्पिक)

(ख) प्रेमचंद

*इस पत्र के अध्ययन के उपरांत छात्र जान सकेंगें –क) हिन्दी के कथा सम्राट के कथा साहित्य और उनकी विशेषता को गंभीरता से समझ सकेंगें | **विशेष-** अध्ययन के उपरांत प्राप्त जानकारी का उपयोग करते हुए छात्र विभिन्न प्रकार की प्रतियोगी परीक्षा में सफल हो सकेंगें |*

समय : तीन घंटे पूर्णांक : 40 +10 = 50

दो दीर्घउत्तरीय प्रश्न – 2 x 12 = 24

दो लघूत्तारिय प्रश्न – 2 x 8 = 16

कुल = 40

पाठ्यविषय –

1. उपन्यास : सेवासदन, प्रेमाश्रम, रंगभूमि, कर्मभूमि |
2. नाटक : कर्बला |
3. आलोचना : साहित्य का उद्देश्य |
4. कहानियाँ – कफन, पूस की राज, शतरंज के खिलाडी, सवा सेर गेहूं, सदगति, ठाकुर का कुआँ, पंच परमेश्वर, ईदगाह, दूध का दाम, दो वैलों की कथा |

सहायक ग्रंथ –

1. प्रेमचंद घर में – शिवरानी देवी |
2. प्रेमचंद : कलम का सिपाही – अमृत राय |
3. प्रेमचंद और उनका युग – रामविलास शर्मा |
4. प्रेमचंद : जीवन, कला एवं कृतित्व – हंसराज रहबर |
5. प्रेमचंद : एक अध्ययन – राजेश्वर गुरु |
6. प्रेमचंद : एक विवेचन – इंद्रनाथ मदान |

एम. ए. (हिन्दी) द्वितीय वर्ष
सेमेस्टर – 4 पत्र – 16 (वैकल्पिक)

जयशंकर प्रसाद

इस पाठ के अध्ययन के उपरांत छात्र जान सकेंगें – क) छायावाद के प्रमुख कवि, नाटककार कहानीकार प्रसाद के साहित्य की महत्वपूर्ण विशेषता से परिचित हो सकेंगें | **विशेष -**अध्ययन के उपरांत प्राप्त ज्ञान का उपयोग कर छात्र विभिन्न प्रकार की प्रतियोगी परीक्षा में सफल हो सकेंगें |

समय : तीन घंटे पूर्णांक : 40 +10 = 50

दो दीर्घउत्तरीय प्रश्न – 2 x 12 = 24

दो लाघुत्तारिया प्रश्न – 2 x 8 = 16

कुल = 40

पाठ्यविषय –

1 काव्य : आँसू (संपूर्ण), लहर (प्रलय की छाया, अशोक की चिंता, पेशोला की प्रतिध्वनि, शेरसिंह का शस्त्र समपर्ण |
2 नाटक : अजातशत्रु, जनमेजय का नागयज्ञ, ध्रुवस्वामिनी \
3 उपन्यास : कंकाल, तितली |
4 कहानी : भिखारिन, प्रतिध्वनि, चुडीवाली, मधुआ, गुण्डा |
5 साहित्य चिंतन : काव्य और कला तथा अन्य निबंध |

सहायक ग्रंथ –

1 जयशंकर प्रसाद – नन्ददुलारे वाजपेयी |
2 जयशंकर प्रसाद : वस्तु और कला – रामेश्वर खण्डेलवाल |
3 प्रसाद और उनका साहित्य – विनोदशंकर व्यास |
4 प्रसाद का काव्य – प्रेमशंकर |
5 प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन – जगन्नाथ प्रसाद शर्मा |